B.A. Final CBCS Pattern Semester-VI

BA36B-4 - Pali & Prakrit Literature

P. Pages : 5 | **GUG/S/24/13438**

Time : Three Hours | Max. Marks : 80

सुचना :- 1. सर्व प्रश्न अनिवार्य आहेत.
सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. स्वीकृत माध्यमातून उत्तरे लिहा.
स्विकृत माध्यम में उत्तरं लिखिए।

1. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

एकमिदाहं आनन्द। समयं राजगहे विहरामि गिज्झकूटे पब्बते। तत्रापि खो ताहं आनन्द। आमन्तेसि - 'रमणीयं आनन्द। राजगहं, रमणीयों आनन्द। गिज्झकूटो पब्बती, यस्स कस्सचि आनंद चत्तारो इध्दिपादा भाविता बहुलिकता यानीकता वत्थुकता अनुट्ठिता परिचिता सुसमारध्दा सो आकङ्खुमानो कप्पं वा तिट्ठेय्य, कप्पावसेसं वा। तथागतस्स खो आनन्द। चत्तारो इध्दिपादा भाविता बहुलीकता यानीकता वत्थुकता अनुट्ठिता परिचितं सुसमारध्दा, सो आकङ्खमानो आनन्द। तथागतो कप्पं वा तिट्ठेय्य कप्पावसेसं वा' ति। एवम्पि खो त्वं आनन्द। तथागतेन ओलारिके निमित्ते करियमाने ओलारिको ओभासे करियमाने नासक्खि पटिविज्झितुं नं तथागतं याचि।

किंवा / अथवा

एवम्पि खो आयस्मा आनन्दो भगवता ओलारिके निमित्ते करियमाने, ओलारिके ओभासे करियमाने नासक्खि पटिविज्झितुं। नं भगवन्तं याचि तिट्ठतु, भन्ते भगवा, कप्पं, तिट्ठतु सुगतो कप्पं बहुजन हिताय बहुजन सुखाय लोकानुकम्पाय अताय हिताय सुखाय देवमनुस्सन्ति। यथा तं मारेन परियुट्ठठितचित्तो। अथ खो भगवा आयस्मन्तं आनन्दं आमन्तेसि - गच्छं त्वं आनन्दं। यस्स दानि कालं मञ्ञसी' ति। 'एवं भन्ते' ति खो आयस्मा आनन्दो भगवतो पटिस्सुत्वा उट्ठायासना भगवन्तं अभिवादेत्वा पदक्खिणं कत्वा अविदूरे अञ्ञतरस्मिं रक्खमूले निसीदि।

ब) "आनन्दस्स याचना" स्पष्ट करा. **6**
"आनन्दस्स याचना" स्पष्ट कीजिए।

किंवा / अथवा

"भूमिचालस्स अट्ठ" हेतु सांगा.
"भूमिचालस्स अट्ठ" हेतु बताईए।

2. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

अथ खो भगवा भोगनगरे यथाभिरन्तं विहरित्वा आयस्मन्तं आनन्दं आमन्तेसि "आयामानन्द। येन पावा, तेनुपसङ्कमिस्सामा ति। 'एवं भन्ते' ति खो आयस्मा आनन्दो भगवतो पञ्चस्सोसि अथ खो भगवा महता भिक्खुसंघेन सध्दिं येन पावा तदवसरि। तत्र सुदं भगवा पावायं विहरति चुन्दस्स कम्मारं पुत्तस्स अम्बवने। अस्सोसि खो चुन्दो कम्मारं पुत्तो- 'भगवा किर पावं अनुप्पतो पावाय विहरति मय्हं अम्बवने' ति। अथ खो चुन्दो कम्मारपुत्तो येन भगवा, तेनुपसङ्कमि उपसङ्कमित्वा भगवन्तं अभिवादेत्वा एकमन्तं निसीदि।

किंवा / अथवा

तत्र सुदं भगवा भोगनगरे विहरति आनन्दे चेतियो। तत्र खो भगवा भिक्खू आमन्तेसि-चत्तारो मैं भिक्खवे। महापदेसे देसेस्सामि, ते सुणाथ, साधुकं मनसिं करोथ, भासिस्सामि ' ति। 'एवं भन्ते' ति खो ते भिक्खू भगवतो पच्चस्सोसुं भगवा एतदवोच - इध भिक्खवे। भिक्खु एवं वदेय्य, "सम्मुखा मे तं आवुसो। भगवतो सुत्तं सम्मुखा पटिग्गहीतं - मयं धम्मो, विनयो, इदं सत्थुसासनंन्ति तस्स भिक्खवे। भिक्खुनो भासितं नेव अभिनन्दितब्बं, नप्पटिक्को सितब्बं। अनभिनन्दित्वा अप्पटिक्कोसित्वा तानिपदब्यज्जनानि साधुकं उग्गहेत्वा सुत्ते ओसारेतब्बानि विनये सन्दस्सेतब्बानि। तानि चे सुत्ते ओसारियमानानि विनये सन्दास्सियमानानि, न चेवं सुत्ते ओसरन्ति न च विनये सन्दिस्सन्ति निट्ठमेत्थ गन्तब्बं - अध्दा इदं न चेव तस्स भगवतो वचनं इमस्स च भिक्खुनो दुग्गहितन्ति।

ब) "वेसालिया पच्छिमदस्सन" वर्णन करा. **6**
"वेसालिया पच्छिमदस्सन" वर्णन कीजिए।

किंवा / अथवा

"चुन्दलोहाराचे भोजन" सविस्तर सांगा.
"चुन्दलोहार के भोजन" विस्तार से बताईए।

3. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

1) वृत्तं हेतं भगवता, वृत्तमरहतो ति मे सुत्तं "एकधम्म भिक्खवे, पजहथ, अहं वो पाटिभोगो अनागामिताय कतमं एकधम्म? मोहं, भिक्खवे, एकधम्मं पजहथ, अहं वो पाटिभोगो अनागामिताया' ति। एलमत्थ भगवा अवोच। तत्थेत इति वुच्चति। 'येन मोहेन गुळहाते, सत्ता गच्छन्ति दुग्गति। तं मोहं सम्मदञ्ञाय पजहन्ति विपस्सिनो पहाय न पुनायन्ति, इमं लोकं कुदाचनं" ति।

किंवा / अथवा

1) क्रोध जहे विप्पजहेय्य मानं, संयोजन सब्बमतिक्कमेय्य।
तं नाम-रुपस्मिं असज्जमानं, अकिञ्चनं नानुपतन्ति दुक्खा॥

2) यो वे उप्पतितं क्रोधं रथं भन्त ' व धारये।
तमहं सारथिं ब्रूमि रस्मिग्गाहो इतरो जनो॥

3) अक्कोधेन जिने क्रोधं असाधु साधुना जिने।
जिने कदरियं दानेनं सच्चेनालीकवादिनं॥

4) सच्चं भने कुज्झेय्य, दज्जाप्पास्मिम्पियाचितो।
एतेहि तीहि ठानेहि गच्छे देवानं सन्तिके॥

ब) "बुध्द कोणाला म्हणावे" हे बुध्दवग्गाच्या आधारे तुमच्या शब्दात लिहा. **6**
"बुध्दं किसको कहना चाहिए" यह बुध्दवग्ग के आधार पर तुम्हारे शब्दों में लिखिए।

किंवा / अथवा

इतिवृत्तक ग्रंथाचे महत्त्वं लिहा.
इतिवृत्तक ग्रंथ का महत्त्वं लिखिए।

4. अ) कृदन्त शब्द तयार करा **कोणतेही चार.** **4**
कृदन्त शब्द तयार कीजिए। **कोई भी चार।**

कर, गम, हस, वद, पस्स, दिस

ब) समास ओळखा **कोणतेही चार.** **4**
समास पहचानिए। **कोई भी चार।**

उपकुम्भ चन्दियसुरिय, कण्हसप्पो, सोपि, गामगतो, बहुधनो

क) स्वीकृत माध्यमात भाषांतर करा. **4**
स्विकृत माध्यम में अनुवाद कीजिए।

1) धनिकस्स कुच्छिस्मिं व्याधि होति।

2) रुक्खस्स साया सकुणा वसन्ति।

3) अहं माता सध्दिं आपणं गच्छामि।

4) बुध्दो भिक्खूस्स उपदेसेति।

ड) पालित भाषांतर करा. **4**
पालि में अनुवाद कीजिए।

1) किती मुले पालिचा अभ्यास करतात.
कितने बच्चे पालि का अध्ययन करते है।

2) आपण घरी जाणार.
हम घर जायेंगे।

3) ती राधा आहे.
वह राधा है।

4) तो धम्माला स्मरण करणार.
वह धम्म को स्मरण करता है।

5. अ) टिपणे लिहा **कोणतेही दोन.** **6**
टिप्पणियाँ लिखिए **कोई भी दो।**

1) दीघनिकाय 2) महापरिनिब्बाणसुत्तं

3) निब्बाण 4) धम्मपद

ब) पर्यायी उत्तरं लिहा. **10**
पर्यायी उत्तरं लिखिए।

1) बुध्दाच्या अंतिम जीवनाचे चित्रण या सुत्तात आहे.
बुध्द के अंतिम जीवन का चित्रण इस सुत्त में है।
अ) ब्रह्मजालसुत्त ब) बुध्दवग्ग
क) बुध्दचरितम् ड) महापरिनिब्बाणसुत्तं

2) महापरिनिब्बाणसुत्तं कुठे येते.
महापरिनिब्बाणसुत्तं कहाँ आता है।
अ) दीघनिकाय ब) मज्झिमनिकाय
क) संयुत्तनिकाय ड) खुद्दकनिकाय

3) दीघनिकाय कुठे येते.
दीघनिकाय कहाँ आता है।
अ) सुत्तविभंग ब) सुत्तनिपात
क) सुत्तपिटक ड) खुद्दकनिकाय

4) पावात तथागतांनी कुणाकडे भोजन घेतले.
पावामें तथागतने किसके यहाँ भोजन किया।

अ) पुक्कससाथी ब) सुदत्त
क) चुन्दलोहार ड) अनाथपिण्डिक

5) महापरिनिब्बाणसुत्तात भूकंपाचे किती लक्षणे सांगितली.
महापरिनिब्बाणसुत्त में भूकंप के कितने लक्षण बतलाये है।

अ) 06 ब) 07
क) 08 ड) 09

6) खुद्दकनिकायात हा ग्रंथ येतो.
खुद्दकनिकाय में यह ग्रंथ आता है।

अ) विभगं ब) परिवार
क) महावग्ग ड) इतिवृत्तक

7) धम्मपदात एकूण गाथा किती आहेत.
धम्मपद में कूल गाथाएँ कितनी है।

अ) 524 ब) 420
क) 423 ड) 457

8) "खीरं" ला पालित काय म्हणतात.
"खीरं" को पालि में क्या कहते है।

अ) पायस ब) दूधं
क) खीरस् ड) मिट्ठानं

9) पालित समास किती आहेत.
पालि में समास कितने है।

अ) 08 ब) 07
क) 06 ड) 05

10) तथागतांचे महापरिनिब्बाण ठिकाण कोणते.
तथागत के महापरिनिब्बाण का स्थान कौनसा।

अ) लुम्बीनी ब) राजगृह
क) कुसीनारा ड) पावा

****